विचार बिन्दु

हम स्वयं आनंद की अनुभूति लेने के बजाये दूसरों को यह विश्वास दिलाने की कोशिश करते हैं कि हम आनंद में हैं। –कन्फ्युशियस

रील्स: सृजनात्मकता का मंच या सांस्कृतिक अवमूल्यन का माध्यम?

इन दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो क्लिप को लेकर काफी चर्चा है। लगभग ग्यारह मिनट लंबी यह क्लिपरील के नाम से प्रचारित की जा रही है, जबकि तकनीकी रूप से यह रील नहीं है। बताया जा रहा है कि यह 'रील' राजस्थान के जैसलमेर (कुछ के अनुसार बीकानेर) की है। इसमें रेगिस्तान, कार, एक युवती, एक वृद्ध राजस्थानी पुरुष, और कैमरे के पीछे से आ रही आवाज़ शामिल है। क्लिप में क्या है यह बताने की अनुमति हमारी शालीनता नहीं दे रही है, लेकिन इतना संकेत पर्याप्त होगा कि क्लिप की सामग्री बेहद अशालीन है, और इसे राजस्थान की संस्कृति की विकृति रूप में देखा जा रहा है। स्वाभाविक है कि प्रदेशवासियों की भावनाएं इससे आहत हुई हैं।

इस प्रकरण ने प्रेरित किया है कि हम उस माध्यम –रील्स–पर गंभीरतापूर्वक विचार करें, जो आज मनोरंजन और अभिव्यक्ति का बहुतसशक्त साधन बन चुका है।

रील्स (Reels) सोशल मीडिया, विशेषकर इंस्टाग्राम का वह फीचर है, जिसमें 15 से 60 और कभी–कभी 90 सेकंड की लघु वीडियो क्लिप्स बनाई और साझा की जाती हैं। इन क्लिप्स में संगीत, दृश्य प्रभाव, फ़िल्टर्स और संपादन तकनीकों का रचनात्मक प्रयोग होता है। इनका मूल उद्देश्य मनोरंजन, जानकारी या सृजनात्मकता की प्रस्तुति होता है। रील्स की अवधारणा टिकटॉक की सफलता के बाद सामने आई और भारत में टिकटॉक के प्रतिबंध के बाद इंस्टाग्राम, फेसबुक और यूट्यूब जैसे मंचों पर इसका चलन बहुत तेज़ी से बढ़ा।

इस डिजिटल युग में रील्स और शॉर्ट्स (फ़ेसबुक पर रील्स को शॉर्ट्स कहा जाता है!) ने आमजन की रचनात्मकता को एक अभूतपूर्व मंच दिया है। भारत में स्मार्टफोन की सुलभता और किफायती इंटरनेट के चलते इस माध्यम की पहुंच असाधारण हो गई है। अनेक युवा कलाकार, गायक, नर्तक, अभिनेता और लेखक अपनी कला को अनगिनत दर्शकों तक पहुँचा कर उनका समर्थन व प्रोत्साहन पा रहे हैं।गृहिणियाँ अपने व्यंजन या हस्तकला को दिखाकर व्यावसायिक संभावनाओं की खोज कर रही हैं। लेखक अपनी किताबों की जानकारियां दे रहे हैं। छोटे कस्बों और गांवों की प्रतिभाएं भी अब वैश्विक फलक पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। यह माध्यम न केवल व्यक्तिगत बल्कि सामाजिक, व्यावसायिक और शैक्षिक स्तर पर भी उपयोगी सिद्ध हो रहा है। सरकार भी जन–जागरूकता के कई अभियानों में इनका उपयोग कर रही है।

अगर आप रील्स के बहुत फैले संसार की सैर करें तो आपको ऐसी अनेक रील्स मिल जाएंगी जो अपनी कलात्मकता से आपको मोह लेंगी। इस बात को समझा जाना ज़रूरी है कि रील का मतलब यह नहीं है कि अपने कैमरे के लेंस को साठ सेकण्ड के लिए खुला छोड़ दिया जाए और उसमें जो क़ैद हो जाए उसे रील्स के नाम पर ठेल दिया जाए! साठ सेकण्ड की सीमित अवधि में अपनी बात कहना बड़े अभ्यास और कौशल की मांग करता है और इसमें तकनीकी ज्ञान, विशेष प्रभाव, संगीत और आजकल एआई की बड़ी भूमिका होती है। हमारे पाठक याद कर सकते हैं कि कुछ लोग एआई के बहुत उम्दा प्रयोग से भारतीय व्यंजनों जैसे–जलेबी, डोसा, रसगुल्ला, इडली समोसा आदि को लेकर कितनी आकर्षक रील्स बना चुके हैं। ऐसे अनेक उदाहरण याद किए जा सकते हैं। सही संगीत का चयन रील्स के प्रभाव को कई गुना बढ़ा देता है।

जहां रील्स में अपार संभावनाएं हैं, वहीं इनका दुरुपयोग भी दिन–ब–दिन बढ़ता जा रहा है। सोशल मीडिया पर ऐसी असंख्य क्लिप्स हैं जो न तो कलात्मक हैं, न सुसंस्कृत और न ही सामाजिक दृष्टि से उपयोगी। इनमें से कई क्लिप्स महिलाओं के निजी क्षणों को बिना अनुमति कैमरे में कैद कर निर्मित की जाती हैं – जो गंभीर नैतिक और कानूनी प्रश्न उठाती हैं। नदी या तालाब में नहाती हुई स्त्री, घर का काम करती हुई स्त्री, अपनी वेशभूषा को संवारती हुई स्त्री, शिशु को स्तनपान कराती हुई युवा मां – ये सब इन विकृत मानसिकता वाले रील्स निर्माताओं के लिए महज़ सेक्स ऑब्जेक्ट होती हैं। और ऐसा नहीं है कि यह घृणित काम केवल पुरुष ही कर रहे हैं। अनेक महिलाएं भी अपनी देह या निजता के प्रदर्शन के माध्यम से लोकप्रियता प्राप्त करने की लालसा में इस प्रवृत्ति में शामिल हो रही हैं। बहुत सारे युगल भी अपने अंतरंग क्षणों को रील्स में तब्दील कर सस्ती लोकप्रियता जुटाने की अंधी दौड़ में शामिल मिलते हैं। बहुत मुमकिन है कि कुछ लोग अपनी नासमझी में भी ऐसा कर देते हों। लेकिन कुल मिलाकर यह चिंतन का विषय है कि ऐसा क्यों हो रहा है और इसकी दिशा किस ओर जा रही है।

यह स्पष्ट है कि रील्स और शॉर्ट्स एक दोधारी तलवार हैं। यह समाज, अभिभावकों, शिक्षकों और नीति-निर्माताओं की सामूहिक जिम्मेदारी है कि इस माध्यम का विवेकपूर्ण, मर्यादित और सृजनात्मक उपयोग सुनिश्चित करें। इस दिशा में समुचित जागरूकता और सक्रियता का अभी अभाव है। जिन्हें देश और समाज की फिक्र है उन्हें इस दिशा में अधिक जागरूक और सक्रिय होना होगा।

रील्स की लत अब मनोरंजन की सीमा पार कर एक व्यसन का रूप भी लेती जा रही है। कुछ उदाहरण चौंकाते हैं – जैसे पश्चिम बंगाल में एक दंपती ने रील बनाने के वास्ते आईफोन खरीदने के लिए अपने शिशु को बेच दिया। पुलिस वर्दी में रील्स बनाना अनुशासनहीनता माना गया है और कई पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई भी हुई। कुछ लोग जोखिम भरे स्टंट करते हुए अपनी जान तक गंवा बैठते हैं। यह तो हुआ कथा का एक भाग। दूसरा भाग यह है कि हमारी युवा पीढ़ी विशेष रूप से देह प्रदर्शन वाली रील्स के मोहपाश में फंस कर रील्स की लती होती जा रही है और इस पीढ़ी की यह लत नशीले पदार्थों से भी अधिक हानिप्रद साबित हो रही है। इन्हें जो समय अपनी पढ़ाई–लिखाई या कौशल विकास में लगाना चाहिए वह सारा समय इस अनुत्पादक गतिविधि में नष्ट किया जा रहा है। पढ़ाई–लिखाई चौपट हो रही है और ये युवा मानसिक विकृतियों के शिकार हो रहे हैं सो अलग। इसी तरह निहित स्वार्थी तत्व अपनी राजनीतिक सोच के चलते सांप्रदायिक, समुदायों के बीच वैमनस्य बढ़ाने वाली और भड़काऊ सामग्री को रील्स के रूप में फैलाने में जुटे हैं। इस तरह की रील्स हमारे सामाजिक ढांचे को क्षित पहुंचा रही हैं। राजनीतिक दलों के आई ती सेल भी अपने नेता की छवि निखारने और अन्य नेताओं की छवि को धूमिल करने के लिए इस माध्यम का धड़ल्ले से उपयोग कर रहे हैं। ये लोग हमारे पुरोधा महापुरुषों को भी नहीं बख़्श रहे हैं। असल में रील्स का सबसे अधिक दुरुपयोग इस तरह की अश्लील, अशालीन और भड़काऊ सामग्री के रूप में हो रहा है – और दुर्भाग्य से यह सामग्री ही सबसे ज्यादा वायरल भी होती है।

यह स्पष्ट है कि रील्स और शॉर्ट्स एक दोधारी तलवार हैं। यह समाज, अभिभावकों, शिक्षकों और नीति–निर्माताओं की सामूहिक जिम्मेदारी है कि इस माध्यम का विवेकपूर्ण, मर्यादित और सृजनात्मक उपयोग सुनिश्चित करें। इस दिशा में समुचित जागरूकता और सक्रियता का अभी अभाव है। जिन्हें देश और समाज की फिक्र है उन्हें इस दिशा में अधिक जागरूक और सक्रिय होना होगा।

तकनीक से भागा नहीं जा सकता, न ही सबके हाथों से मोबाइल छीना जा सकता है। लेकिन देश के नागरिकों और इस सुविधा के उपभोक्ताओं को सजग करना, विशेषकर युवाओं को दिशा देना, अनिवार्य हो गया है। अभिभावकों को बच्चों से संवाद करना होगा, शिक्षकों को मार्गदर्शन देना होगा, और नीति–निर्माताओं को स्पष्ट दिशा–निर्देश देने होंगे। इस मामले में सरकार को भी अपनी भूमिका निबाहनी होगी। अनुचित और हानिप्रद सामठी के प्रसार पर रोक लगे और जो ऐसा करने के दोषी हों उन्हें समुचित सज़ा मिले, यह काम सरकार ही कर सकती है।

रील्स और शॉर्ट्स आज के समय का प्रभावी माध्यम हैं – मनोरंजन और अभिव्यक्ति का मंच भी, और प्रचार व प्रसार का साधन भी। लेकिन यह माध्यम सही अर्थों में तभी सार्थक बन सकता है जब इसके उपयोगकर्ता इसकी शक्ति को समझें और उसका विवेक व जिम्मेदारी से उपयोग करें। अन्यथा यह माध्यम एक सांस्कृतिक और सामाजिक संकट का कारण भी बन सकता है।

अब निर्णय हमें लेना है – हम इसे कला और अभिव्यक्ति का मंच बनाएँ, या विवेकशून्य और विकृत मानसिकता के फूहड़ प्रदर्शन का बाजारबन जाने दें!

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

श्री पिंजरापोल गौशाला में हरे पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, पर्यावरण प्रेमियों में रोष

एसडीएम को सूचना देने के बाद पटवारी और गिरदावर ने काटे गए पेड़ों का निरीक्षण किया

सादुलपुर, (निसं)। शहर की श्री जुबली पिंजरापोल गौशाला के बीड़ में बड़ी संख्या में हरे पेड़ों की कटाई को लेकर पर्यावरण प्रेमी और जागरूक लोगों ने आक्रोश जताया है।

लोगों ने कहा कि पेड़ों को काटने के लिए प्रशासन से किसी प्रकार की अनुमति नहीं ली गई है तथा मामले को लेकर एसड़ीएम मीनू वर्मा को भी शिकायत की है। दूसरी तरफ गौशाला के पदाधिकारी का कहना है कि गायों के लिए नेपियर घास पैदा करने के लिए पेड़ों को चिन्हित कर काटा गया है। सूचना मिलते ही पटवारी और गिरदावर मौके पर पहुंचे तथा पेड़ों की कटाई का मौका निरीक्षण किया। अधिकारियों ने जब तक जांच नहीं होती तब तक यथास्थिति रखने के निर्देश दिए हैं। गौशाला बीड़ में दोपहर को 12 बजे लगभग पेड़ों की कटाई की सूचना मिली तो पटवारी और गिरदावर मौके पर पहुंचे। मौके पर अनेक पेड़ों की कटाई की हुई थी तथा पहले भी कटाई कर पेड़ों को बड़ी

- **पटवारी और गिरदावर देखकर मजदूर अपने औजार लेकर पिकअप में सवार होकर फरार हो गए**

संख्या में डाला हुआ था। पेड़ों को काटने के लिए औजार और जनरेटर भी लगाया हुआ था। ऐसे अनेक पेड़ खड़े थे जिनको सफेद कलर से चिन्हित किया गया था जो काटे जाने बाकी थे तथा एक पिकअप जीप भी मौके पर खड़ी थी। इसके अलावा मौके दो मजदूर बैठे थे। मजदूर ने बताया कि 150 पेड़ों की कटाई होनी है। उन्होंने बताया कि पेड़ों को काटने के लिए तीन लाख रुपए का ठेका लिया है। जबकि मौके पर एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि उन्होंने फसल बिजाई के लिए जमीन ठेके पर ली है। मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे पटवारी राजेश कुमार और गिरदावर ताराचन्द महला को देखकर मजदूर अपने औजार लेकर पिकअप जीप में सवार होकर फरार हो गए।

पटवारी राजेश कुमार ने बताया कि मौके पर 15 हरे पेड़ काटे पाए गए हैं, जिनको जब्त कर लिया गया है। गौशाला मंत्री की ओर से भेजे गए हवा सिंह नामक व्यक्ति की उपस्थिति में पेड़ों को कूड़क कर यथा स्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए हैं तथा रिपोर्ट बनाकर एसडीएम को प्रस्तुत की गई है।

जोधपुर से दिल्ली वंदे भारत सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन का संचालन आज

पाली/जोधपुर, (का.सं.)। रेलवे द्वारा दिल्ली की ओर ट्रेनों में यात्रियों के अतिरिक्त यातायात को ध्यान में रखते हुए सोमवार को जोधपुर–दिल्ली स्टेशनों के बीच पहली बार वंदे भारत सेमी हाई स्पीड स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है।

- **अतिरिक्त यातायात को देखते हुए वंदे भारत (इकतरफा) ट्रेन का संचालन हो रहा है**
- **जोधपुर से जयपुर-दिल्ली के रास्ते पहली बार वंदे भारत सेमी हाई स्पीड ट्रेन चलेगी**

उत्तर–पश्चिम रेलवे के जोधपुर डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि नियमित ट्रेनों में जयपुर–दिल्ली मार्ग की ओर जाने वाले यात्रियों के अतिरिक्त यातायात और उनकी सुविधा के मद्देनजर ट्रेन 04815, जोधपुर–दिल्ली वंदे भारत सुपरफास्ट एकतरफा स्पेशल का जयपुर के रास्ते संचालन किया जा रहा है। डीआरएम ने बताया कि ट्रेन 04815, जोधपुर–दिल्ली वंदे भारत सुपरफास्ट स्पेशल सोमवार को जोधपुर से दोपहर 2.50 बजे रवान होकर उसी दिन रात्रि 11.55 बजे दिल्ली पहुंच जाएगी। सीनियर डीसीएम विकास खेड़ा ने बताया कि इकतरफा ट्रेन मेड़ता रोड, डेगाना, फुलेरा, जयपुर, गांधीनगर, अलवर, रेवाड़ी, गुड़गांव व दिल्ली कैंट स्टेशनों पर ठहराव करेगी। उन्होंने बताया कि ट्रेन में जनरल टिकट और बिना किसी रिजर्वेशन के यात्रा नही की जा सकेगी। वंदे भारत स्पेशल ट्रेन में यात्रियों की सुविधा हेतु दो पॉवरकार सहित 16 कोच होंगे।

जोधपुर–दिल्ली वंदे भारत स्पेशल (इकतरफा) ट्रेन जोधपुर से दोपहर 2.50 बजे प्रस्थान करने के बाद मेड़ता रोड स्टेशन पर शाम 4 बजे आगमन व 4.03 बजे प्रस्थान, डेगाना 4.30 बजे आगमन व 4.32 प्रस्थान,जयपुर 7 बजे आगमन व 7.5 बजे प्रस्थान, गांधीनगर जयपुर 7.15 आगमन और 7.17 बजे प्रस्थान,अलवर रात्रि 8.57 बजे आगमन व 9 बजे प्रस्थान,गुड़गांव 10.50 बजे आगमन व 10.52 बजे प्रस्थान, दिल्ली कैंट 11.17 बजे आगमन व 11.20 बजे प्रस्थान कर रात्रि 11.55 बजे दिल्ली पहुंच जाएगी।

असि. प्रोफेसर का स्वागत किया

शाहपुरा, (निसं)। विराटनगर के छोटे गांव भिंडोर निवासी रामनारायण दायमा का असिस्टेंट प्रोफेसर में राजनीति विज्ञान विषय से ऑल राजस्थान में 10 वीं रैंक के साथ अंतिम रूप से चयन हुआ। ग्रुप जन सेवा समिति अध्यक्ष रोहिताश भडाणा ने बताया कि दायमा के चयन से शाहपुरा, विराटनगर क्षेत्र में 10वीं रैंक आने पर युवाओं में प्रेरणात्मक खुशी है। इस अवसर पर शाहपुरा ग्रुप कार्यालय पर बुलाकर राजस्थानी परंपरानुसार माला साफा पहनाकर स्वागत सम्मान किया एवं उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विशाल धेधड, प्रहलाद कसाणा, किशन फागणा, हितेश भडाणा, धर्मवीर झिंझड़, कानाराम चनेजा, सूर्यकांत चेची, टीकचंद चनेजा मौजूद रहे।

इंदिरा गांधी नहर की मरम्मत के लिए की गई नहरबंदी समाप्त

हरीके बैराज और पोंग डैम से राजस्थान के लिए पानी छोड़ा

बीकानेर, (निसं)। राजस्थान में इंदिरा गांधी नहर की मरम्मत के लिए की गई नहरबंदी रविवार को समाप्त हो गई। सरकार के फैसले के बाद हरीके बैराज और पोंग डैम से राजस्थान के लिए पानी छोड़ दिया गया है। इससे पश्चिमी राजस्थान के 10 जिलों में पेयजल संकट से राहत मिलने की उम्मीद जगी है। हालांकि, किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिलने की फिलहाल कोई संभावना नहीं है।

राजस्थान सरकार की ओर से शनिवार को नहर बंदी समाप्त करने का फैसला लेने के बाद भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) को सूचना की गई थी। रविवार सुबह से हरीके बैराज से 600 क्यूसेक और पोंग डैम से 6000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इस पहल से बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनूं, जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर, नागौर और सीकर जिलों में पेयजल की स्थिति में सुधार

- **पश्चिमी राजस्थान के 10 जिलों में पेयजल संकट से राहत मिलने की उम्मीद जगी**

होगा। वर्तमान में इन जिलों में पीने के पानी की गंभीर समस्या है और केवल पहले से जमा किए गए पानी का ही वितरण किया जा रहा है।

जल संकट के कारण एक दिन छोड़कर पानी देने की नीति अपनाई गई है। नहर में नए पानी की आवक के बाद नियमित जलापूर्ति बहाल होने की उम्मीद है, जिससे लाखों लोगों को राहत मिलेगी। विशेष रूप से गर्मी के इस मौसम में यह कदम पश्चिमी राजस्थान के लिए बड़ी राहत साबित होगा।

बीकानेर में जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजेश राजपुरोहित ने बताया कि बीकानेर में वर्तमान में 10 दिन का जल भंडार उपलब्ध है। नए पानी की आवक के साथ ही प्रतिदिन जलापूर्ति की जा सकेगी। इस कदम से पश्चिमी राजस्थान के सभी प्रमुख शहरों में जल्द ही नियमित जलापूर्ति बहाल हो जाएगी। नहर में पानी की नई आवक से न केवल पेयजल संकट दूर होगा, बल्कि आने वाले समय में जलापूर्ति व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सकेगा।

पीपल की अवैध लकड़ियों से भरी ट्रैक्टर–ट्रॉली जब्त

चालक को गिरफ्तार किया, जमानत पर छोड़ा

पुलिस ने पीपल की अवैध लकड़ी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की।

हलैना/भरतपुर, (निसं)। स्पेशल अभियान के तहत हलैना पुलिस ने पीपल की अवैध लकड़ियों से भरी ट्रैक्टर–ट्रॉली जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया है। आईजी राहुल प्रकाश, एसपी मृदुल कच्छावा, एएसपी जयनारायण मीणा और सीओ धर्मेन्द्र शर्मा के निर्देशन में चल रहे स्पेशल अभियान के तहत कस्बा हलैना पुलिस ने हलैना–वैर सड़क मार्ग स्थित उप तहसीलदार कार्यालय के सामने पीपल की अवैध लकड़ियों से भरी ट्रैक्टर–ट्रॉली को जब्त कर ट्रैक्टर–ट्रॉली चालक को वन एक्ट में पकडा। ये लकड़ियां वैर की ओर से अलवर जिले के कस्बा गोविन्दगढ़ जा रही थी। जब्त की लकड़ी की कीमत सवा लाख रूपए से अधिक आंकी गई है। थाना प्रभारी जगदीश चन्द ने बताया कि पूछताछ में ट्रैक्टर–ट्रॉली चालक ने वैर–हलैना मार्ग स्थित बाणगंगा नदी से अलवर जिले के कस्वा गोविन्दगढ़ पीपल की लकड़ी ले जाना स्वीकार किया। पुलिस ने अलवर जिले के गोविन्दगढ़ निवासी ट्रैक्टर–ट्रॉली चालक इकबाल खान को वन एक्ट में गिरफ्तार किया, जिसको जमानत पर छोड़ा गया।

सांभर में लीकेज से हजारों लीटर पेयजल की बर्बादी

सांभरझील, (निसं)। सांभर में अनेक जगहों पर जलदाय विभाग की पेपजल लाइन में छोटे व बड़ी साइज के लीकेज होने के कारण सप्लाई के दौरान हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है।

स्थानीय जलदाय विभाग इसके बावजूद इन तमाम लीकेजों को बंद करने में अभी भी सफल सिद्ध नहीं हो रहा है। पानी की यह बर्बादी कोढ में खाज का काम कर रही है, क्योंकि एक तो बीसलपुर का जलस्तर कम होने के कारण सरकार ने सांभर के हिस्से को मिलने वाला जल करीब छह माह पहले से ही घटा दिया था तो दूसरी ओर बीसलपुर की नई पाइप लाइन डाली जा रही है, लेकिन पुरानी पाइप लाइन कहीं ना कहीं से डैमेज होती रहती है। जिसकी वजह से दो–तीन दिनों के अंतराल से मिलने वाला पानी कई बार 4 से 5 दिनों के अंतराल में मिलता है। वह भी इन लीकेजों की वजह से

- **पेपजल लाइन में छोटे व बड़े साइज के लीकेज हो रहे हैं**

लोगों को घरों तक पूरा पानी नहीं पहुंच पाता है। इसी प्रकार रविवार को नेहरू पार्क के नजदीक पाइप लाइन रविवार को लीकेज हो गई जिससे सप्लाई में बाधा उत्पन्न हुई। बंपर तरीके से पानी बहता रहा और जलदाय विभाग मूक दर्शक बनकर बनकर देखता रहा। इस मामले में यहां के कांग्रेस नेता नजम उल हसन उस्मानी ने बताया कि विधायक विद्याधर चौधरी ने विधानसभा में मामला उठाया था तो सरकार ने खुद ने माना था कि सांभर का आधा पानी रोका गया है। लीकेज को ठीक करने के लिए हम खुद मिलकर विभाग को अवगत कराया था लेकिन कोरे आश्वासन लगता दिया गया है।

वृद्ध आश्रम में बुजुर्ग महिलाओं का सम्मान किया

भरतपुर, (निसं)। मॉम्स वेल्फेयर सोसाइटी द्वारा मदर डे के उपलक्ष में एक कदम मानवता की ओर प्रोजेक्ट के अंतर्गत आनंदधाम वृद्ध आश्रम में बुजुर्ग महिलाओं का सम्मान किया गया। फूड पैकेट, केले, बिस्कुट के पैकेट टोस्ट के पैकेट, फल वितरण कार्यक्रम किया गया, जिसमें सभी बुजुर्गों का सम्मान भी किया गया। रितु अनुराग गर्ग ने बताया कि मां और बच्चे के रिश्ते की सबसे खास बात है कि ये रिश्ता जन्म से पहले ही बन जाता है और जीवनभर आपके साथ रहता है। मां का रोल हमारे जीवन में बेहद अहम है। कोई भी बच्चा अपने जीवन में पहली सीख मां से ही लेता है। कार्यक्रम में मॉम्स ग्रुप से अंजना जैन, मीरा गोयल, नेहा अग्रवाल, प्रियंका गुप्ता, मीनाक्षी, कल्पना, स्वाति अग्रवाल, सेक्रेटरी अंजना जैन मौजूद रही।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 12 मई, 2025

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, सोमवार, विक्रम संवत 2082, स्वाती नक्षत्र प्रात: 6:17 तक, वारियान योग मंगलवार प्रात: 5:53 तक, विष्टि करण प्रात: 9:14 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 2:23 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मेष, चन्द्रमा–तुला, मंगल–कर्क, बुध–मेष, गुरू–वृष, शुक्र–मीन, शनि–मीन, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज रवियोग प्रात: 6:17 तक है। यमघट योग प्रात: 6:17 से सूर्योदय तक है। कुमार योग रात्रि 10:26 से आरम्भ होगा। भद्रा प्रात: 9:14 तक रहेगी। आज वैशाखी पूर्णिमा, सत्य पूर्णिमा, बुद्ध पूर्णिमा और जयन्ती, पीपल पूनम है। आज वैशाख स्नान समाप्त होगा। आज यम धर्मराज प्रीत्यर्थ जल कुम्भ दान होगा। आज गंधेश्वरी पूजा है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:24 तक, शुभ 9:04 से 10:43 तक, चर 2:03 से 3:42 तक, लाभ अमृत 3:42 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:45, सूर्यास्त 7:01

मेष
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा सांभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मिथुन
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आज धार्मिक–मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कर्क
घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्यों से संबंधित यात्रा सांभव है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। शुभ–मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

तुला
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में नवीन संदेश प्राप्त हो सकते हैं। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।